विद्या समाचार पत्रिका

विद्या भारती, झारखंड के गतिविधियों को प्रदर्शित करने वाला त्रैमासिक पत्र

राँची * जुलाई- सितम्बर 2022 *श्रावण कृष्ण - आश्विन शुक्ल * विक्रम संवत् 2079 * वर्ष 2, अंक 6

संपादकीय

आदरनीय पाठकगण एवं
प्यारे भैया/बहनों !
सप्रेम नमस्ते ।

इस तिमाही में संगठन के दृष्टि से कई महत्वपूर्ण घटनाएँ घटीं। भैया/बहनों कि व्यक्तिगत उपलब्धियाँ भी रही। अंततः संगठन के नाम एवं यश में ही वृद्धि हुई। अपने प्रांत के कई पूर्व छात्रों ने UPSC, JPSC एवं अन्य सरकारी संगठनों में अपने मेहनत के बल पर, पारिवारिक प्रेरणा एवं संगठन की प्रेरणा तथा शिक्षा से ऊँचा स्थान प्राप्त किया। वहीं कुछ बाल वैज्ञानिक उभर कर सामने आए।

गुरु पूर्णिमा के उत्सव के साथ-साथ रक्षा बंधन का त्योहार भी हमने बड़े ही उल्लास के साथ मनाया। जहाँ एक ओर कृष्ण जन्माष्टमी की धूम रही वहीं दूसरी ओर हमने तिरंगा यात्रा भी निकाली।

भूले बिसरे खेलों को भी हमने अपने-अपने विद्यालयों में खेलकर उसे फिर से जीवित किया तथा हॉकी खेल के जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद जी को सच्ची श्रद्धांजलि भी अर्पित की। मेरे पास इन अवसरों के अनेकों चित्र आए हैं, कुछ को यहाँ प्रकाशित भी किया जा रहा है।

तिरंगा यात्रा में समाज के बंधु बांधव भी शामिल होकर राष्ट्र को मजबूत बनाने हेतु संकल्पित हुए। आजादी के अमृत महोत्सव को मनाने के बाद अब हमें और मजबूती से तथा दृढ़तापूर्वक कार्य करने की आवश्यकता है। अर्द्धवार्षिक परीक्षा की तैयारी चल रही होंगी। परीक्षाएँ आती ही हैं हमें सबल तथा प्रखर बनाने के लिए। पूरे मनोयोग से इसे निभाना चाहिए। जो कमी रह गई उसे आगे ठीक करेंगे यही संकल्पना लेकर आगे कार्य करें।

हम विजयी की ओर बढ़ते जा रहे।
संगठन का भाव भरते जा रहे।।

इसे याद रखने की आवश्यकता है। आपसबों को ढेरो शुभकामनाएँ एवं बधाईयाँ।

आपका
मनोज कुमार

प्रांतीय प्रधानाचार्य बैठक रामगढ़

अपने पूर्व छात्र की वर्ष 2022 की उपलब्धियाँ

1. पद्मावती जैन सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, खूँटी, चौका, पश्चिमी सिंहभूम के पूर्व छात्र भैया विकास महतो को संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) के परिणाम में 110वाँ रैंक प्राप्त हुआ।
2. सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बरगंडा, गिरिडीह के पूर्व छात्र भैया भोला पाण्डेय को झारखण्ड लोक सेवा आयोग (JPSC) की परीक्षा में 08वाँ रैंक मिला है। इनका चयन प्रशासनिक सेवा हेतु हुआ है।
3. सरस्वती विद्या मंदिर, सिन्दरी, धनबाद के पूर्व छात्र भैया विश्वजीत महतो ने झारखण्ड लोक सेवा आयोग (JPSC) की परीक्षा में 120वाँ रैंक प्राप्त किया है। ये पूर्व आचार्य श्री त्रिलोचन साहू जी के सुपुत्र हैं।
4. झारखण्ड लोक सेवा आयोग (JPSC) की परीक्षा में इंदुमति टिबड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर, दीभा, चतरा के पूर्व छात्र भैया प्रशांत कुमार दांगी को 39वाँ रैंक (प्रशासनिक सेवा) तथा विपिन कुमार को 185वाँ रैंक मिला।
5. पंडित बागेश्वरी पाण्डेय सरस्वती विद्या मंदिर, देवनगर, बोकारो के पूर्व छात्र भैया कैलाश प्रसाद महतो ने झारखण्ड लोक सेवा आयोग (JPSC) की परीक्षा में 41वाँ स्थान प्राप्त किया है। इनकी नियुक्ति डिप्टी सुपरीटेंडेंट ऑफ पुलिस पद पर हुई है।
6. सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, कोर्रा, हजारीबाग की पूर्व छात्रा बहन अंशु कुमारी ने झारखण्ड लोक सेवा आयोग (JPSC) की परीक्षा में 49वाँ स्थान प्राप्त किया है।
7. रंजीत नारायणा सिंह सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, सिसई, गुमला के पूर्व छात्र भैया विपिन साहू का चयन झारखण्ड लोक सेवा आयोग (JPSC) में 107वाँ रैंक में हुआ है। प्रशासनिक सेवा मिला है।
8. सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, डकरा, राँची के पूर्व छात्र भैया सुमित कुमार को झारखण्ड लोक सेवा आयोग (JPSC) की परीक्षा में 144वाँ रैंक मिला तथा इनका चयन प्रशासनिक सेवा में किया गया।
9. सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, कुम्हारटोली, हजारीबाग के पूर्व छात्र भैया गोपी कृष्ण ने झारखण्ड लोक सेवा आयोग (JPSC) की परीक्षा में 146वाँ स्थान प्राप्त किया है।
10. सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, गौरीग्राम, जोरी, चतरा के पूर्व छात्र भैया गौतम कुमार साहु ने झारखण्ड लोक सेवा आयोग (JPSC) की में 156वाँ स्थान प्राप्त किया है।
11. सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, जैनामोड़, बोकारो एवं पूज्य तपस्वती जगजीवन जी महाराज सरस्वती विद्या मंदिर, 3/सी, बोकारो के पूर्व छात्र भैया शिव शंकर प्रसाद का झारखण्ड लोक सेवा आयोग (JPSC) की परीक्षा में चयन हुआ है।
12. राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर, धनबाद के पूर्व छात्र ऋषभ गुप्ता भारतीय नौसेना में सब-लेफ्टिनेंट बनें।

गुरु-शिष्य संबंधों में पवित्रता जरूरी : महर्षि

गुरु पूर्णिमा पर जिले में विविध कार्यक्रमों का किया गया आयोजन, गुरु की महत्ता पर डाला प्रकाश

संवाद सहयोगी, झुमरीतिलैया (कोडरमा) : शिवतारा सरस्वती विद्या मंदिर के प्रांगण में गुरु पूर्णिमा का उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष राम रतन महर्षि, सचिव सुभाष वर्णवाल एवं प्राचार्य उमेश प्रसाद ने भारत माता एवं वेद व्यास चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यालय के अध्यक्ष राम रतन महर्षि ने कहा कि भारत की प्राचीन गुरु शिष्य पवित्र संबंधों की चर्चा करते हुए इसे पुनर्जीवित करने की जरूरत बताई।

कार्यक्रम में मंचासीन अतिथिगण • जागरण

भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित करते विकास परिषद के पदाधिकारी व सदस्य • जागरण

शिशु के विकास में वाटिका की 12 शैक्षिक व्यवस्थाएं व्यावहारिक : मंजू

भास्कर न्यूज़ | चाईबासा

पद्मावती जैन सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में चल रहे तीन दिवसीय प्रांतीय शिशु वाटिका आचार्य प्रशिक्षण सह कार्यशाला के दूसरे दिन की शुरुआत प्रातः 6:00 बजे विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री कृष्ण कुमार सिंह एवं शिशु वाटिका के क्षेत्र प्रमुख मंजू श्रीवास्तव समेत समस्त दीदी जी ने हवन यज्ञ, प्रातः स्मरण एवं योग कर के किया। इसके उपरांत वंदना सत्र में विद्यालय के कोषाध्यक्ष दिलीप कुमार गुप्ता, प्रधानाचार्य श्री कृष्ण कुमार सिंह एवं प्रभारी प्रधानाचार्य

अरविंद कुमार पांडेय ने भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्वलन, पुष्प अर्पण सह सरस्वती वंदना के साथ किया। मौके पर शिशु वाटिका के क्षेत्रीय प्रमुख ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला के दूसरे दिन का वृत्त रखा। उन्होंने बताया कि आज उक्त कार्यशाला के दूसरे दिन 5 सत्रों में प्रशिक्षण कार्य पूर्ण होंगे। शिशु वाटिका के शिक्षण हेतु 12 शैक्षिक व्यवस्थाओं का क्रियान्वयन आज व्यावहारिक रूप में होगा। इसके लिए अरुण कक्षा के भैया-बहनों की कक्षाएं चलेंगी।

दैनिक भास्कर धनबाद 25-08-2022

सशिविमं बाघमारा में प्रश्न मंच प्रतियोगिता

बाघमारा | सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बाघमारा में बुधवार को संकुल स्तरीय संस्कृत व अंग्रेजी प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सिनीडीह संकुल अंतर्गत चार विद्यालयों की छात्र-छात्राएं शामिल हुई। प्रतियोगिता का प्रारंभ विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव विजय शर्मा व प्राचार्य संतोष कुमार झा के उद्बोधन के साथ हुआ। संस्कृत प्रश्नमंच प्रतियोगिता में शिशु वर्ग में सशिवि मंदिर बाघमारा ने प्रथम, सविमंदिर सिनीडीह ने द्वितीय व सशिवि मंदिर तेतुलमारी ने तृतीय, बाल वर्ग में सशिवि मंदिर सिनीडीह प्रथम, सशिवि मंदिर तेतुलमारी ने द्वितीय, सशिवि मंदिर बाघमारा ने तृतीय रहें।

क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में चतरा बना ओवरऑल चैंपियन

आज के दौर में खेलकूद भी कॅरियर का एक महत्वपूर्ण अंग : मुमताज अंसारी

चतरा (प्रात: आवाज)। विद्या भारती उत्तर-पूर्व क्षेत्र के तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय 33 वां क्षेत्रीय खेलकूद समारोह का विधिवत समापन शनिवार को सम्पन्न हो गया। बताते चले कि स्थानीय इंदुमती टिबड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर के आतिथ्य में हो रहे इस समारोह में बिहार और झारखंड के 135 खिलाड़ी भाग लिए। मुख्य अतिथि चतरा एसडीओ मुमताज अंसारी, डीईओ जितेंद्र कुमार सिन्हा, क्षेत्रीय खेलकूद प्रमुख सह देवघर और साहेबगंज के विभाग निरीक्षक सुरेश मंडल, हजारीबाग के विभाग निरीक्षक ओमप्रकाश सिन्हा, विद्यालय प्रबंधकार्यकरिणी समिति के अध्यक्ष संतन पांडेय ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्या विकास समिति के प्रदेश सचिव अजय कुमार तिवारी ने कहा कि विद्या भारती 1989 से ही खेलकूद को अपने पाठ्यक्रम में महत्वपूर्ण स्थान दिया है। मुख्य अतिथि मुमताज अंसारी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आज के दौर में खेलकूद भी कैरियर के एक महत्वपूर्ण अंग बन गया है। खेल के माध्यम से स्वस्थ शरीर के साथ साथ मनोरंजन भी होता है। सामान्य रूप से इस उम्र में छात्रों में भटकाव भी होता है। यह उम्र भविष्य निर्माण का रीढ़ भी मानी जाती है। उन्होंने बच्चों को जीवन मे सफल होने के कई टिप्स बताए जो आने वाले समय मे थ्रोट व कट कॉम्पिटिशन में कारगर साबित होंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि जितेंद्र कुमार सिन्हा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा प्रतियोगिता बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए करती है प्रेरित। विद्या भारती के द्वारा देश मे अच्छे खिलाड़ियों का निर्माण किया जा रहा जीवन मे आत्मविश्वास एवं जुनून खिलाड़ियों का एक महत्वपूर्ण गुण होते है। तत्पश्चात प्रेरणा की यह घड़ी एकल गीत साक्षी प्रिया दुबे के द्वारा किया गया। अतिथि परिचय विद्यालय के प्राचार्य पवन कुमार दास द्वारा, आभार ज्ञापन हजारीबाग विभाग निरीक्षक ओमप्रकाश सिन्हा के द्वारा एवं जमेशदपुर विभाग निरीक्षक तुलसी प्रसाद ठाकुर द्वारा किया गया। इस अवसर पर उत्तर पूर्व क्षेत्र बिहार एवं झारखंड प्रदेश में संचालित विद्या मंदिर के 135 खिलाड़ियों के अतिरिक्त उनके संरक्षक आचार्य स्थानीय व प्रांतीय निर्णायक टोली, तिवारी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक संदीप कुमार, विद्यालय प्रबंधकार्यकरिणी समिति के उपाध्यक्ष शक्ति सिंह, सचिव सह कार्यक्रम संयोजक संजय सिन्हा, कोषाध्यक्ष मुकेश साह की गरिमामयी उपस्थिति रही।

• क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता के दौरान मंचासीन अतिथि।

परिणाम

कैरम प्रतियोगिता

बाल वर्ग (भैया)
प्रथम - लातेहार बाजार
द्वितीय - चतरा
तृतीय - बाघमारा
*****

किशोर वर्ग (भैया)
प्रथम - बाघमारा
द्वितीय - लातेहार बाजार
तृतीय - चतरा
*****

तरुण वर्ग (भैया)
प्रथम - बाघमारा
द्वितीय - चतरा

बाल वर्ग (बहन)
प्रथम - बाघमारा, द्वितीय - चतरा
*****

किशोर (बहन)
प्रथम - लातेहार,
द्वितीय - बाघमारा
तृतीय - चतरा

तरुण (बहन)
प्रथम - चतरा, द्वितीय - बाघमारा

टेबल सॉकर प्रतियोगिता

बाल वर्ग, किशोर व तरुण वर्ग (भैया)
प्रथम - चतरा

बाल वर्ग (बहन)
प्रथम - चतरा, द्वितीय - रामगढ़

किशोर वर्ग
प्रथम - लातेहार बाजार
द्वितीय - रामगढ़, तृतीय - चतरा

तरुण वर्ग
प्रथम - लातेहार, द्वितीय - चतरा
ओवरऑल चैंपियन - चतरा

युवा वैज्ञानिक को किया सम्मानित

खलारी, प्रतिनिधि। सरस्वती विद्या मंदिर करकट्टा में मंगलवार को विद्यालय के 1999 बैच के दो पूर्व छात्र दीपक कुमार सिंह तथा कमलकांत गिरि का आगमन हुआ।

विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा दोनों पूर्व छात्रों को तिलक लगाकर तथा बुके देकर सम्मानित किया गया। जिसके बाद प्रधानाचार्य शालिग्राम सिंह ने दोनों छात्रों का परिचय देते हुए बताया कि वर्तमान में दीपक कुमार सिंह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) में वैज्ञानिक हैं।

इन्हें इसरो के द्वारा युवा वैज्ञानिक का पुरस्कार भी मिल चुका है। वहीं कमलकांत गिरि रांची में अपना व्यवसाय कर रहे हैं। इस दौरान दोनों पूर्व छात्रों के साथ विद्यालय के छात्र-छात्राओं तथा शिक्षकों की एक प्रेरणात्मक सभा आयोजित हुई। जिसमें दीपक कुमार सिंह ने अपने शैक्षणिक जीवन में विद्यालय में बिताए गए पलों तथा इसरो में अपनी जिम्मेवारी से छात्र-छात्राओं को अवगत कराया। जीवन में आगे बढ़ने हेतु छात्र-छात्राओं ने उनसे कई प्रश्न किए। जिसका पूर्व छात्र दीपक ने सारगर्भित तथा प्रेरणादायी उत्तर दिया। समारोह में विद्यालय समिति के सचिव विवेकानंद झा, कोषाध्यक्ष विनोद कुमार, समिति सदस्य विरमल कुमार, राघवेंद्र पासवान, चंद्रभूषण सिंह एवं गौरीशंकर कामिला ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य शालिग्राम सिंह ने अतिथि परिचय कराया एवं अंत में धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस अवसर पर संजीव कुमार, अजय कुमार पाठक, संध्या सिन्हा, पूनम पाठक, नूतन सिंह, दिलीप शर्मा, श्रीकांत शर्मा, पुरुषोत्तम सिंह, उमेश कुमार, सियाराम सिंह अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थी।

पूर्व छात्रों के आगमन पर सम्मानित कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व छात्र एवं शिक्षकगण।

विवेक, नैतिकता, संस्कार के साथ विज्ञान बढ़े आगे, तो समाज में आयेगा सकारात्मक बदलाव : आयुक्त

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। आयुक्त जटा शंकर चौधरी ने विद्यार्थियों को विज्ञान में अभीरुचि पैदा करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को विज्ञान पढ़ने और अपने जीवन में परिवर्तन लाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि विज्ञान के माध्यम से नए-नए आयाम ढूंढ सकते हैं। विवेक, नैतिकता, संस्कार के साथ विज्ञान आगे बढ़ें, तो समाज में सकारात्मक बदलाव आयेगा। विज्ञान के ज्ञान से हमलोग का व्यक्तिगत जीवन और परिष्कृत हो पाएगा। विज्ञान के बदौलत ही बहुत सारे अविष्कार हुए। जीवन की मुश्किलें आसान हुई है। आयुक्त आज सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, उच्च विद्यालय में अटल टिंकरिंग लैब के उद्घाटन के मौके पर बोल रहे थे। इस अवसर पर डिप्टी मंगल सिंह भी उपस्थित थे। विद्या विकास समिति के प्रदेश सचिव अजय कुमार तिवारी ने कहा कि विज्ञान से रचनात्मकता एवं जिज्ञासा विकसित होता है। मन में शोध करने की जिज्ञासा विकसित होती है। विद्या भारतीय उत्तर पूर्व क्षेत्र के क्षेत्रीय मंत्री खयालीराम ने कहा कि सृजनहीन विज्ञान व्यर्थ है। संस्कारयुक्त शिक्षा आवश्यक है। उन्होंने सभी से प्रयोगधर्मी बनने और अटल टिकटिंग लैब का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। आयुक्त सहित अन्य अतिथियों ने अटल टिंकरिंग लैब का उद्घाटन के साथ लैब का एवं विघालय के विद्यार्थियों द्वारा लगाए गए विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन कर बच्चों द्वारा प्रदर्शित प्रयोगात्मक मॉडल को देखा और उसकी सराहना की। मौके पर पलामू विभाग के विभाग प्रमुख नीरज कुमार लाल, विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष अश्विनी कुमार मिश्र, सचिव राजीव रंजन, कोषाध्यक्ष गोविंद सांवड़िया, विद्यालय के प्रधानाचार्य रमेश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

तकनीकी शिक्षा में पारंगत बने प्रधानाचार्य : ख्यालीराम

- रामप्रसाद चंद्रभान सरस्वती विद्या मंदिर में हुई प्रांतीय प्रधानाचार्य की बैठक

प्रतिनिधि, रामगढ़

मंच पर मौजूद अतिथि.

बैठक में मौजूद राज्य भर के प्रधानाचार्य.

रामप्रसाद चंद्रभान सरस्वती विद्या मंदिर रामगढ़ में प्रांतीय योजना के तहत दो दिवसीय प्रांतीय प्रधानाचार्यों की बैठक शुरू हुई. इसमें विद्या भारती झारखंड के क्षेत्रीय व प्रांतीय अधिकारी सहित ए और बी श्रेणी के विद्यालयों के 105 प्रधानाचार्यों ने शिरकत की.उद्घाटन क्षेत्रीय संगठन मंत्री ख्यालीराम, प्रदेश सचिव अजय कुमार तिवारी, रांची विभाग प्रमुख फणींद्र नाथ झा, स्थानीय प्रबंधन समिति के संरक्षक महेश अग्रवाल, अध्यक्ष सुरेश बगड़िया व सचिव शंकर लाल अग्रवाल ने किया. मौके पर क्षेत्रीय संगठन मंत्री ख्यालीराम ने कहा कि विद्यालय के प्रधानाचार्य, आचार्य व समिति के सदस्य समय-समय पर विद्यार्थियों के घर जाकर अभिभावकों से संपर्क करें. इससे बच्चे तथा अभिभावकों की वास्तविक स्थिति का पता चल सकेगा. उन्होंने कहा कि प्रधानाचार्य को भी तकनीकी शिक्षा में पारंगत होना चाहिए. बच्चों को संस्कार युक्त शिक्षा के साथ-साथ नैतिकता का भी पाठ पढ़ाया जाये. वहीं विद्या विकास समिति ,झारखंड के प्रदेश सचिव अजय कुमार तिवारी ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने की आवश्यकता है. सुरेश बगड़िया ने कहा कि शिक्षक देश के भविष्य के निर्माता है. कार्यक्रम में विद्या विकास समिति, झारखंड के विभाग प्रमुख अखिलेश कुमार, ओम प्रकाश सिन्हा, तुलसी प्रसाद ठाकुर , विवेक नयन पांडेय, मनोज भारद्वाज, राजेश कुमार आदि मौजूद थे.

लोहरदगा में शान से निकली तिरंगा यात्रा

दैनिक जागरण की हर घर तिरंगा यात्रा में शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर के बच्चों ने लिया हिस्सा

तिरंगा यात्रा मे शामिल शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर के विद्यार्थी • जागरण

तिरंगा यात्रा मे शामिल शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर के विद्यार्थी • जागरण

शहर मे निकाली गई तिरंगा यात्रा • जागरण

तिरंगा का वितरण करती अविनाश कौर • जागरण

जागरण संवाददाता, लोहरदगा : दैनिक जागरण लोहरदगा के तत्वावधान में शनिवार को शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर सहित विभिन्न संगठनों द्वारा शहरी क्षेत्र में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर के विद्यार्थियों ने हर्षोल्लास के साथ तिरंगा यात्रा निकालकर देशभक्ति का संदेश दिया। तिरंगा यात्रा का आयोजन विद्यालय परिसर से लेकर रियाडा, बक्सीडीपा रोड सहित अन्य क्षेत्रों में किया गया। हाथों में तिरंगा झंडा लिए हुए स्कूली बच्चे काफी उत्साहित नजर आ रहे थे। सभी भारत माता की जय, महात्मा गांधी अमर रहें आदि नारे लगा रहे थे। विद्यार्थियों और शिक्षकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। अनुशासित रूप से विद्यार्थियों और शिक्षकों ने तिरंगा यात्रा के माध्यम से लोगों से हर घर तिरंगा लगाने की अपील भी की। दैनिक जागरण की अगुवाई में निकाले गए इस तिरंगा यात्रा में काफी संख्या में विद्यार्थी शामिल हुए। इसके अलावा विभिन्न संगठनों द्वारा भी तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में तिरंगा यात्रा निकालकर लोगों से अपने-अपने घरों और प्रतिष्ठानों में तिरंगा लगाने की अपील की गई। तिरंगा यात्रा के दौरान राष्ट्र भक्ति और देश के प्रति प्रेम की झलक दिखाई दे रही थी। भारत माता के जयकारों से वातावरण गूंज रहा था। मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य विपिन कुमार दास ने कहा कि तिरंगा हमारे देश की शान है। इसका सम्मान करना हमारा दायित्व है। हमारे देश के सम्मान से ही हमारा भी गौरव बढ़ता है। शिक्षक श्यामसुंदर कुमार ने कहा कि तिरंगा और देश के प्रति आदर भाव कि हमें एक सच्चा नागरिक बनाता है। हम सभी को अपने देश के प्रति समर्पित रहना चाहिए। तिरंगा यात्रा जैसा कार्यक्रम हमारे देश के लिए सम्मान का विषय है। वहीं अन्य संगठनों द्वारा भी तिरंगा यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य विपिन कुमार दास, श्याम सुंदर कुमार, राजीव कुमार सिंह, जोधन सिंह, मधुमिता शर्मा, गोरख पांडे, अमर कांत शुक्ला, विष्णु दत्त पांडे, मंजू देवी, विजय चंद्रशेखर, जया मिश्रा, दिनेश सिंह प्रमेंद्र सिंह, विकास कुमार मेहता, वीणा तिवारी, श्वेता संदेश आदि उपस्थित थे।

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर झंडा का किया गया वितरण

जासं, लोहरदगा : स्वतंत्रता दिवस के मौके पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत शनिवार को नगर परिषद के वार्ड नंबर 8 की पार्षद अविनाश कौर और समाजसेवी कवलजीत सिंह द्वारा तिरंगा का वितरण किया गया। साथ ही लोगों से अपने-अपने घर और प्रतिष्ठान में तिरंगा लगाने की अपील की गई। आजादी की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर आजादी के अमृत महोत्सव के तहत अपने वार्ड क्षेत्र में हर घर तिरंगा अभियान को लेकर तिरंगा झंडा वितरित किया गया। सभी लोगों से अपील की गई कि अपने-अपने घरों में तिरंगा लगा कर इस अभियान को सफल बनाएं। देश की आजादी के लिए शहीद हुए लोगों को याद करें एवं श्रद्धांजलि अर्पित करें।

सुंदरी देवी सरस्वती शिशु मंदिर में संस्कृत सप्ताह का आयोजन

संस्कृत भाषा से ही हमारी संस्कृति की पहचान : प्रधानाचार्य

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। विद्या भारती की योजना अनुसार सुंदरी देवी सरस्वती शिशु मंदिर लोहरदगा में संस्कृत सप्ताह के अंतिम दिवस भैया बहनों के बीच में विविध प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी। जिसमें गीता श्लोक गीता के वाचन, सुभाषितानि, नीति श्लोक, संस्कृत प्रश्न मंच संस्कृत गीत एवं संस्कृत संभाषण प्रतियोगिता में सभी भैया बहन बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। यह संस्कृत सप्ताह भैया बहनों के अंतर्गत संस्कृत एवं संस्कृति के बोध हेतु आयोजित किया गया था। संस्कृत भाषा देव भाषा मधुर भाषा सरस भाषा जन-जन की भाषा बने इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए विद्या भारती ने संस्कृत सप्ताह मनाने की योजना बनाई थी। जो जुलाई महीने की चार तारीख से प्रारंभ होकर नव जुलाई शनिवार को समाप्त हुआ। इसके माध्यम से बच्चों के अंदर संस्कृत के बोलने के कौशल का विकास अपनी संस्कृत के कवियों लेखकों ऐतिहासिक ग्रंथ रामायण महाभारत आदि से परिचित करवाना था। कक्षा तृतीय के भैया बहनों ने चटका चटका रे चटका गीत का गायन किया। कक्षा चतुर्थ के भैया बहनों ने मृदपि च चंदन अस्मिन देशे ग्रामों ग्राम सिद्ध बनम इस गीत को गाया। कक्षा पंचम के बहनों ने सुरस सुबोधा विश्व मनोज्ञ ललिता हृद्या रमणिया अमृतवाणी संस्कृत भाषा नैव क्लिस्टा न च कठिना गीत गाया। इस अवसर पर भैया बहनों के बीच संस्कृत प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें संकुल स्तरीय प्रांतीय एवं क्षेत्रीय स्तर पर आयोजित प्रश्न मंच प्रतियोगिता में भाग लेने वाले भैया बहनों का चयन किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरेश चंद्र पांडे ने संस्कृत भाषा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संस्कृत भाषा भारत की प्राण भूत भाषा है भारोपीय भाषा परिवार की जितनी भी भाषाएं है वे संस्कृत भाषा से ही जन्म ली है। संस्कृत से हमारी संस्कृति की पहचान है। हमारे वेद पुराण उपनिषद ऐतिहासिक ग्रंथ सभी दर्शन स्मृतियां आदि संस्कृत भाषा में ही लिखे गये हैं। आज संस्कृत भाषा की उपेक्षा के कारण ही हम अपने अतीत के गौरव से अपरिचित हैं।

कार्यक्रम • राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर में तीन दिवसीय वाणिज्य पर कार्यशाला शुरू

वाणिज्य के साथ वैदिक गणित को जोड़ दें तो बच्चों को समझना आसान हो जाएगा: नकुल

एजुकेशन रिपोर्टर | धनबाद

राजकमल स्कूल में आयोजित कार्यशाल में शामिल अतिथि।

राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर में शनिवार से तीन दिवसीय वाणिज्य कार्यशाला शुरू हुआ। उद्देश्य वाणिज्य और इससे जुड़े जीएसटी को विद्यार्थियों को समझाना है। उद्घाटन सत्र में प्राचार्य सुमंत कुमार मिश्रा ने कहा कि वर्ष में एक बार वाणिज्य कार्यशाला जरूर होना चाहिए। शिक्षकों को हमेशा अपडेटं रहने की जरूरत है और यही समय की मांग है। टेक्नोलॉजी से बच्चे आधे-अधूरे ज्ञान अर्जित करते हैं, जिसे पूर्ण करना हम शिक्षकों का दायित्व है। विद्या भारती उत्तर पूर्व क्षेत्र के सचिव नकुल शर्मा ने कहा कि वाणिज्य का अध्ययन करने वाले बहुत आगे बढ़ते हैं। आधुनिक जीवन में कई भ्रांतियां हैं। वाणिज्य के साथ वैदिक गणित को जोड़ दें तो बच्चों को समझा पाना और आसान होगा। सीए केशव कुमार हड़ोदिया ने कहा कि विद्यालय एक खास विचारधारा को लेकर चल रहा है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में उन सारे विषयों को शामिल किया गया है, जो आज तक गलत परोसा गया। किसी भी देश के लिये गुणवत्तायुक्त शिक्षा जरूरी है। आजतक व्यावसायिक शिक्षा को उपेक्षित रखा गया, लेकिन यह देश के लिए उच्चत्तर शिक्षा है। मौके पर वाणिज्य शिक्षक उत्तम कुमार तिवारी, सूरज कुमार, संजय कुमार सिन्हा, श्रीकांत अधिकारी, संजीव कुमार पटनायक, दीपांकर खवास आदि मौजूद थे।

बच्चे मन में वाणिज्य के प्रति आकर्षण जगाएं: राम अवतार

विद्या भारती उत्तर पूर्व क्षेत्र के मंत्री राम अवतार नरसरिया ने कहा कि संसार को बदल देने का नाम ही शिक्षा है। वाणिज्य एक समुद्र है, जिससे रत्न निकलते हैं। अपना देश विश्व गुरु था और फिर बनेगा। बच्चे मन में वाणिज्य के प्रति आकर्षण जगाएं। विद्यालय के अध्यक्ष विनोद कुमार तुलस्यान ने कहा कि शिक्षा एवं शिक्षकों में समाज को राह दिखाने की अद्भुत क्षमता है। उप प्राचार्य सह वाणिज्य विभाग के प्रमुख मनोज कुमार ने कहा कि वाणिज्य का क्षेत्र व्यापक है। इसे सीखना कठिन है, लेकिन कार्यशालाओं में चर्चा से समझना आसान होगा। वर्तमान में जीएसटी जैसे विषय को खुद समझना और बच्चों को भी समझाना जरूरी है।

शिशु मंदिर में आचार्य सम्मान समारोह आयोजित

जमशेदपुर: बागबेड़ा स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में भारत के स्वतंत्रता के नायक बाल गंगाधर तिलक तथा चंद्रशेखर आज़ाद की जयंती मनाई गई.इस दौरान आचार्य सम्मान समारोह का आयोजन भी किया गया.कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पार्षद कविता परमार, विद्यालय प्रबंध कारिणी समिति के उपाध्यक्ष सुधांशु पति, सचिव प्रसन्न वदन मेहता, कोषाध्यक्ष विजय गुप्ता उपस्थित थे.मौके पर पार्षद कविता परमार ने कहा कि गुरु हमेशा श्रेष्ठ होते हैं, किंतु अभी के समय में शिक्षा के व्यवसायीकरण के चलते गुरुओं को छात्रों द्वारा दिए जाने वाले सम्मान में कमी आई है.कहा कि इसे पढ़ाई और संस्कार के साथ आप लोग ही ठीक कर सकते हैं.विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के सचिव प्रसन्न वदन मेहता ने कहा कि नई पीढ़ी को मूल्य आधारित शिक्षा और संस्कार प्रदान करना ही विद्यालय का लक्ष्य है. इस अवसर पर बच्चों को प्राकृतिक वातावरण के साथ जोड़ने के उद्देश्य हेतु विद्यालय परिसर में एक तरणताल का उदघाटन भी किया गया.

एसवीएम में विज्ञान प्रदर्शनी व विज्ञान मेला का हुआ आयोजन

फ्रीडम फाइटर संवाददाता

लातेहार : जिला मुख्यालय के धर्मपुर रोड स्थित सरस्वती विद्या मंदिर के बंदना सभागार में शनिवार को विज्ञान प्रदर्शनी व विज्ञान मेला का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय प्रबंध कारिणी समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार ठाकुर और प्रधानाचार्य अरुण कुमार चैधरी के द्वारा संयुक्त रुप से दीप प्रज्वलन कर किया गया।इस अवसर पर कार्यक्रम के महत्व को बताते हुए विज्ञान आचार्य फूलचंद कुमार सिंह ने कहा कि आज के आधुनिक समय में जीवन और विज्ञान एक दूसरे के पर्याय बन चुके हैं। मुख्य अतिथि अनिल कुमार ठाकुर ने बताया कि आज मनुष्य विज्ञान के बल पर ही पक्षियों की भांति आसमान में उड़ सकता है, गहरे से गहरे पानी में सांस ले सकता है, पर्वतों को लांघ सकता है ,तथा कई मिलो की दूरियों को चंद घंटों में पार कर सकता है।इस विज्ञान प्रदर्शनी में भैया बहन तीन वर्गों में सम्मिलित हुए। किशोर वर्ग से सात ग्रुप, बाल वर्ग से 14 ग्रुप, और शिशु वर्ग से 11 ग्रुप, कुल 32 ग्रुप बनाकर इस कार्यक्रम को सफल बनाया गया।भैया /बहनों के द्वारा बनाए गए प्रोजेक्ट ,विज्ञान मॉडल का अवलोकन अतिथि एवं आए अभिभावकों के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया एवं भूरी भूरी प्रशंसा भी की गई। भैया बहनों द्वारा बनाए गए प्रदर्श का मूल्यांकन निर्णायक मंडली में विज्ञान आचार्य/दीदी ओंकारनाथ सहाय ,रेनू गुप्ता, फूलचंद सिंह के द्वारा किया गया।विज्ञान मेला एवं प्रदर्शनी विद्यालय के प्रधानाचार्य अरुण कुमार चैधरी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में सभी आचार्य /दीदी के साथ भैया /बहनों के अभिभावक गण भी मौजूद रहे और उत्साहवर्धन करते रहें।कार्यक्रम का मंच संचालन रेनू गुप्ता के द्वारा किया गया।

जगन्नाथपुर : पद्मावती जैन सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में सब खेले सबके लिए खेले में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

भास्कर न्यूज़ | जगन्नाथपुर

पद्मावती जैन सरस्वती शिशु विद्या मंदिर जगन्नाथपुर में सोमवार को अंतरराष्ट्रीय खेल दिवस एवं मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन के अवसर पर सब खेले सबके लिए खेले कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य सुबोध कुमार गुप्ता ने मेजर ध्यानचंद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। विद्यालय के खेल प्रमुख राज किशोर महतो ने भैया बहनों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें 100 मीटर दौड़ बहनों का में शिशु वर्ग में प्रथम स्थान भूमिका महाराणा, द्वितीय स्थान गीता लागुरी, तृतीय स्थान स्मृति कोड़ा रही। वहीं 100 मीटर दौड़ भैया का शिशु वर्ग से प्रथम स्थान विवेक राज हेंब्रम, द्वितीय स्थान राकेश गोप, तृतीय स्थान सिकंदर जेराई ने लिया। बहनों का बाल वर्ग 400 मीटर में प्रथम स्थान प्रियंका लागुरी, द्वितीय स्थान कुलवंती लागुरी, तृतीय स्थान सृष्टि पूर्ति एवं भैया का बाल वर्ग से प्रथम स्थान समीर, द्वितीय स्थान अरमान केराई तृतीय स्थान आशीष खिलार ने लिया। 400 मीटर दौड़ में किशोर वर्ग से बहनों का प्रथम स्थान ज्योतिप्रिया लागुरी, द्वितीय स्थान शालिनी साहू तृतीय स्थान सुष्मिता कुमारी एवं भैया का बाल वर्ग से प्रथम स्थान ज्योति लागुरी द्वितीय स्थान नंदलाल गोप, तृतीय स्थान सुकलाल बोदरा ने अपने नाम किया। मौके पर विद्यालय के आचार्य ललित बेहरा, बितेश यादव, सुखदेव पाल, राजकिशोर महतो, आचार्या में कांतिलता गोप, मंजू सिंह, चंद्रावती कुमारी, शीला खं खाडाईत, होलिका नायक आदि उपस्थित थे।

विद्या समाचार पत्रिका

विद्या भारती, झारखंड के गतिविधियों को प्रदर्शित करने वाला त्रैमासिक पत्र

दैनिक भास्कर गुमला सिमडेगा 24-08-2022

गुमला के सरस्वती विद्या मंदिर सभागार में प्रांतीय खेलकूद प्रतियोगिता कराने पर हुई चर्चा

27 से 30 सितंबर तक होगा मुकाबला, राज्य के सभी जिलों से 1000 खिलाड़ी होंगे शामिल

भास्कर न्यूज़ | गुमला

सरस्वती विद्या मंदिर के सभागार में विद्या भारती झारखंड का 33वां प्रांतीय खेलकूद प्रतियोगिता को लेकर विद्या भारती झारखंड के प्रदेश सचिव अजय तिवारी के अध्यक्षता में विभिन्न विभागों के प्रमुख एवं क्षेत्रीय प्रचार प्रमुख अखिलेश कुमार की उपस्थिति में बैठक हुई। 27 से 30 सितंबर तक स्थानीय अल्बर्ट एक्का स्टेडियम में झारखंड प्रांत के सभी जिलों से 1000 खेलकूद प्रतिभागी के शामिल होने की संभावना है। विधि व्यवस्था के दृष्टिकोण से विविध व्यवस्थाओं को लेकर यह बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें प्रांतीय खेल प्रमुख गौरी शंकर ने कहा गुमला का सत्कार खेलकूद की दृष्टि से अन्यत्र कहीं नहीं देखा गया है। गौरी शंकर ने कहा कोरोना काल के बाद प्रांतीय खेलकूद यह प्रथम योजना चल रही है।

उन्होंने कहा 700 प्रतियोगी भैया-बहन के साथ वाहन चालक, निर्णायक, आचार्य, आचार्य प्रांतीय अधिकारियों समेत लगभग एक हजार की संख्या उपस्थित होगी।

बैठक में उपस्थित अधिकारी।

इस दृष्टिकोण से कार्यालय की व्यवस्था, निर्णायक, भोजन विभाग आयोजन समिति, उद्घाटन ज्योति यात्रा, विद्युत ध्वनि, जल विभाग, खेल भंडार विभाग, स्वच्छता विभाग तथा निर्णय के लिए वीडियोग्राफी, मंच सज्जा व व्यवस्था, चिकित्सा विभाग, भोजन निर्माण विभाग, स्वागत विभाग, आमंत्रण विभाग, खेल कार्यालय, स्थानीय स्तर पर न्याय समिति, उपहार मोमेंटो एवं मैडल की व्यवस्था पूर्ण कर लेने की बात कही। बैठक के दूसरे सत्र में प्रदेश सचिव ने विद्यालय के आचार्यों के साथ बैठक कर प्रांतीय खेलकूद प्रतियोगिता में आचार्यों की सहभागिता एवं दायित्व का बोध कराया। उन्होंने आचार्यों के मजबूत कंधों पर कार्यक्रम की सफलता की पूर्ण अपेक्षा व्यक्त की।

खेलकूद प्रतियोगिता को ऐतिहासिक बनाएं : अजय

प्रांतीय सचिव अजय तिवारी ने खेलकूद प्रतियोगिता को ऐतिहासिक प्रतियोगिता के रूप में स्थापित करने की बात कही। इस संदर्भ में नगर के गणमान्य लोगों की उपस्थिति की अपेक्षा की गई। बुद्धिजीवी मंच तथा खेल जगत के प्रभावी व्यक्तित्व के उपस्थित होने की अपेक्षा की गई। इस अवसर पर मुख्य रूप से देवघर विभाग प्रमुख सुरेश मंडल, प्रांतीय घोष प्रमुख राजेश कुमार, प्रांतीय सह प्रमुख खेलकूद के संजय कुमार, लोहरदगा से जो धन सिंह तथा बाघमारा से सहायक प्रांतीय खेलकूद प्रमुख कुणाल कुमार, प्रधान आचार्य संजीव कुमार सिन्हा समेत अन्य लोग उपस्थित थे। इसके पूर्व विद्या भारती झारखंड के प्रदेश सचिव अजय कुमार ने सरस्वती विद्या मंदिर में स्थापित नए कंप्यूटर लैब का विधिवत उद्घाटन किया।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में ऑनलाइन श्रीकृष्ण रूप सज्जा प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

उत्तकल मेल संवाददाता

हजारीबाग: सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, कुम्हार टोली, हजारीबाग में श्री कृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर ऑनलाइन श्री कृष्ण रूप सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन हुआ' कार्यक्रम में विद्यालय के कक्षा अरुण से द्वितीय कक्षा के भैया-बहनों ने भाग लिया ' भैया- बहनों ने श्री कृष्ण का बंसी बजाते हुए, माखन खाते हुए एवं राधा जी का मनमोहक रूप धारण कर दर्शकों एवं श्रोताओं को खूब लुभाया' बच्चों ने नन्हे - मुन्ने कान्हा और राधा के रूप में ईश्वर का दर्शन दर्शकों एवं श्रोताओं को कराया' भैया -बहनों ने श्री कृष्ण और राधा जी का मनमोहक एवं मनभावन प्रदर्शन किया 'मौके पर विद्यालय के प्राचार्य दिनेश कुमार

मिश्र ने कहा बाल रूप में नन्हे-मुन्ने भैया- बहनों ने श्री कृष्ण और राधा जी के रूप में हम सभी को ईश्वर का साक्षात दर्शन कराया है' सनातन धर्म में भगवान किसी न किसी रूप में धरती पर अवतरित होकर संपूर्ण मानव जाति का कल्याण करते हैं 'भगवान श्रीकृष्ण हम सभी का मंगल करें' कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य दिनेश कुमार मिश्र ने विद्यालय परिवार, स्थानीय समिति के अधिकारियों एवं प्रांतीय समिति के अधिकारियों की ओर से श्री कृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं एवं बधाई दी 'कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के आचार्यगण प्रदीप कुमार सिन्हा ,अमरदीप कुमार, अनिल कुमार , नरेंद्र कुमार सिन्हा, संजुक्ता कुमारी ,रूबी वाला, निशा जी, सीमा जी ,शुभलता जी ,रीता जी, दिनेश जी , पूनम जी, काजल जी, एवं शेखा जी , अमरनाथ जी आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा' श्री कृष्ण रूप सज्जा प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्राप्त करने वाले भैया -बहनों को पुरस्कृत किया जाएगा 'ऑनलाइन श्री कृष्ण रूप सज्जा कार्यक्रम में विद्यालय के भैया- बहन आचार्य बंधु -भगिनी एवं अभिभावक गण उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर गिरिडीह भास्कर 19-08-2022

सशिविमं पिहरा में रूप सज्जा प्रतियोगिता

राधा-कृष्ण के वेश में बच्चे।

गावां | प्रखंड स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर पिहरा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर रूप सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन शिशु, बाल व किशोर तीन वर्गों में किया गया। विद्यालय के छात्र छात्राओं ने राधा कृष्ण, भारत माता समेत विभिन्न महापुरूषों की वेशभूषा में आकर प्रतियोगिता में सम्मिलित हुए। प्रतियोगिता के किशोर वर्ग में प्रथम राधिका, द्वितीय प्रीति तृतीय सूफीयाना व खुशी को मिला। बाल वर्ग में निशिका, सुहानी, पीहू पल्लवी क्रमश प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान में रही। ग्रुप सी में प्रथम रिया सिंह द्वितीय रियांश हंस व तृतीय सिद्धी श्री को प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता में ज्योति मोमिता पूनम राधा नंदनी नजिया, अराध्या पूजा अनन्या आस्था, शुभं, रवि, नीतीश, शिवानी, सोनाक्षी, शिव रानी एवम गुनगुन का प्रदर्शन भी सराहनीय रहा।

सविमं भूली में विज्ञान व वैदिक गणित प्रश्नमंच प्रतियोगिता

छात्र सृजन शक्ति को बढ़ाएं, खुद को केंद्रित करना सीखें : एसकेएल दास

भास्कर न्यूज़ | भूली

सरस्वती विद्या मंदिर भूली में संकुल स्तरीय विज्ञान एवं वैदिक गणित प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सविमं भूली, सविमं सिनिडीह, सशिविमं बाघमारा एवं सशिविमं तेतुलमारी के स्टूडेंट्स शामिल हुए। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में विद्यालय के सचिव डॉ एसकेएल दास ने कहा कि छात्र अपने अंदर छुपे सृजनात्मक शक्ति को बढ़ाएं और खुद को केंद्रित करना सीखें। यदि छात्र अपने आप को केंद्रित करना सीख लेंगे तो अवश्य सफलता पाएंगे। संकुल प्रमुख सह सविमं सिनीडीह के प्राचार्य सुनील कुमार सिंह ने कहा कि भरपूर प्रयास करें सफलता अवश्य मिलेगी। विद्यालय के उपाध्यक्ष डॉ राम सुधीर सिंह ने कहा कि प्रतियोगिताओं से ज्ञान का विकास होता है। प्राचार्य

प्रतियोगिता में ये छात्र-छात्राएं हुए विजयी | प्रतियोगिता चार वर्गों शिशु, बाल, किशोर व तरुण वर्ग में आयोजित की गई थी। विज्ञान प्रश्नमंच के शिशु वर्ग में प्रथम सविमं भूली के आयुष कुमार, प्रिंस कुमार, अभिषेक सिंह, द्वितीय सविमं सिनीडीह के यश राज गोस्वामी, नंदनी कुमार, अनुष्का कुमारी एवं तृतीय सशिविमं बाघमारा के पृथ्वी राज, आशीष सिंह, वंशिका ओझा। बाल वर्ग में प्रथम सशिविमं बाघमारा के मयंक कुमार, उत्तम कुमार यादव, डॉली कुमारी, द्वितीय सविमं सिनीडीह के हर्षित कुमार पाठक, रिया सिंह, रूबी मुखर्जी, तृतीय सविमं भूली के प्रियांशी, साक्षी कुमारी, नयन सिंह।

शिव बालक प्रसाद सिंह ने बताया कि यह प्रतियोगिता विद्या भारती योजना के अंतर्गत प्रति वर्ष आयोजित की जाती है। जो कि विद्यालय स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक होती है। यह प्रतियोगिता सिनीडीह संकुल का था। जिसमें 81 छात्र-छात्राएं हुए।

जीवन में सदा आगे बढ़ते रहना चाहिए, असफलता ही सफलता की कुंजीः रत्नेश

सिटी रिपोर्टर | जमशेदपुर

प्रगति सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बिरसानगर में विभाग स्तरीय संस्कृति बोध, अंग्रेजी एवं संस्कृत तीन विषयों के प्रश्नमंच प्रतियोगिता आयोजित हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि पूर्व आईबी सचिव रत्नेश कुमार, तुलसी प्रसाद ठाकुर, अरविंद सिंह, रंजय कुमार राय, सचिव वी. जयशंकर एवं स्कूल के प्रिंसिपल सुरेश कुमार राय ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया। अतिथियों ने कहा कि जीवन में सदा आगे बढ़ते रहना चाहिए। असफलता में ही सफलता की कुंजी है।

हमें जीवन में कभी हार नहीं माननी चाहिए। विभाग प्रमुख तुलसी ठाकुर ने प्रतियोगिता की जानकारी दी। प्रतियोगिता तीन वर्गों में आयोजित हुई, कुल 246 बच्चों ने भाग लिया। संस्कृति बोध परियोजना शिशु वर्ग के प्रश्न मंच में प्रथम स्थान चाईबासा, द्वितीय स्थान जगन्नाथपुर, तृतीय स्थान सरायकेला पर विद्यालय रहा। बाल वर्ग में प्रथम चाईबासा, द्वितीय नोआमुंडी, तृतीय बागबेड़ा एवं किशोर वर्ग में प्रथम चाईबासा द्वितीय बिरसानगर तृतीय बागबेड़ा विद्यालय रहा।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर नीचे चुटिया में विज्ञान प्रदर्शनी

रांची : सरस्वती शिशु विद्या मंदिर नीचे चुटिया के विशाल कक्ष एवं कक्षा कक्षों में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। उद्घाटन हेतु विद्यालय समिति के सचिव-मदन केशरी, सह सचिव अविचल सिंह, उपाध्यक्ष गिरधारी महतो एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य इंद्रजीत कुमार झा थे। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा 40 से ज्यादा मॉडल का प्रदर्शन किया गया जिसमे बच्चों ने अपनी सृजनात्मक कला का भरपूर उपयोग किया था। कई बार बारिश के व्यवधान होने पर भी अभिभावकों एवं अन्य आगंतुकों ने भरपूर मात्रा में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।इस मौके पर उपाध्यक्ष महोदय ने बच्चों को अपनी कला में दक्षता को और निखारने एवं उनके उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रदान की।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में मना खेल दिवस

विजेता प्रतिभागियों के साथ शिक्षक।

तेलो | मेजर ध्यानचंद जी के जयंती पर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर तेलो में खेल दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत संयुक्त रूप से विद्यालय के अध्यक्ष पुरुषोत्तम गांधी, रोहन लाल महतो, समिति सदस्य राजेंद्र प्रसाद, प्रधानाचार्य राजेश पांडेय ने किया। फिर भैया बहनों के बीच विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। इसमें कक्षा प्रथम एवं द्वितीय के भैया बहनों के बीच बिस्कुट दौड़ में रौनक कुमार, साक्षी कुमारी व दिव्या कुमारी, शिशु वर्ग छात्रों के गणित दौड़ में शिवम कुमार, शुभम कुमार व बंटी कुमार मंडल, शिशु वर्ग छात्राओं की गणित दौड़ में चाहत गोस्वामी, शीतल कुमारी, व रिया कुमारी, बाल वर्ग छात्रों के 100 मीटर रेस में सुजल सिंह, मनीष महतो व देवाशीष गोस्वामी, छात्राओं के 100 मीटर रेस अंजू कुमारी, खुशी कुमारी व दीप्ति प्रभा क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय रही।

जमशेदपुर, शुक्रवार 16.09.2022 | 09

स्कूलों में स्वदेशी सप्ताह पर होंगे कार्यक्रम

- सीनी : विद्या विकास समिति के जमशेदपुर विभाग के प्रधानाचार्य की ऑनलाइन बैठक
- 26 सितंबर से 2 अक्तूबर तक स्वदेशी सप्ताह मनाने का निर्णय

सीनी. विद्या विकास समिति झारखंड के जमशेदपुर विभाग के समूह ए व बी विद्यालय के प्रधानाचार्यों की ऑनलाइन बैठक गुरुवार को हुई. इसकी अध्यक्षता जमशेदपुर विभाग प्रमुख तुलसी प्रसाद ठाकुर ने की. बैठक में विद्यालयों में 26 सितंबर से 2 अक्तूबर तक स्वदेशी सप्ताह मनाने का निर्णय लिया गया. प्रांतीय खेलकूद गुमला में आयोजित खेलकूद में सहभागिता पर चर्चा की गयी.

प्रधानाचार्य को विभाग स्तरीय विद्यालय में निरीक्षण करने का दायित्व सौंपा गया. प्रांतीय स्तरीय प्रश्न मंच प्रतियोगिता पर चर्चा की गयी. अंत में प्रांतीय स्तर पर समूह सी व डी विद्यालय के प्रधानाचार्य की गुमला में आयोजित बैठक में शत प्रतिशत उपस्थिति के लिए संकुल प्रमुखों को दायित्व दिया गया. बैठक में बागबेड़ा के प्रधानाचार्य रंजन राय, शास्त्री नगर के प्रधानाचार्य विजय शंकर सिंह, चाईबासा के प्रधानाचार्य कृष्ण कुमार सिंह एवं अरविंद पांडे, सरायकेला के प्रधानाचार्य पार्थसारथी , चक्रधरपुर के प्रधानाचार्य रमेश ठाकुर, चाकुलिया के प्रधानाचार्य कमलकांत प्रमाणिक, मुसाबनी की प्रधानाचार्या रूमी सरकार, घाटशिला के प्रधानाचार्य योगेश कुमार, नोवामुंडी की प्रधानाचार्या सीमा पालित सहित दर्जनों प्रधानाचार्य उपस्थित रहे.

विभाग स्तरीय संस्कृति बोध, अंग्रेजी एवं संस्कृत विषयों के प्रश्नमंच प्रतियोगिता आयोजित

तीन जिलों के कुल 246 भैया-बहनों ने लिया हिस्सा

जमशेदपुर, 27 अगस्त (रिपोर्टर) : विद्या विकास समिति झारखंड के अंतर्गत शनिवार, 27 अगस्त को प्रगति सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बिरसानगर में विभाग स्तरीय(पुर्वी सिभूम, पश्चिमि सिभूम,एवं सरायकेला) संस्कृति बोध, अंग्रेजी एवं संस्कृत तीन विषयों के प्रश्नमंच प्रतियोगिता आयोजित की गयी। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि रत्नेश कुमार (पूर्व आईबी सचिव),तुलसी प्रसाद ठाकुर (जमशेदपुर विभाग प्रमुख), अरविंद सिंह (बागबेड़ा संकुल संयोजक), रंजय कुमार राय (संकुल प्रमुख), विद्यालय प्रबंध कारिणी समिति के सचिव वी. जय शंकर एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरेश कुमार राय ने संयुक्त रुप से दीप प्रज्वलन कर किया। विभाग प्रमुख तुलसी ठाकुर ने प्रतियोगिता की प्रस्तावना को सबके सामने

प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कृत होते

प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता तीन वर्गों में आयोजित की गई (कुल 246 भैया/बहनो) शिशु वर्ग, बाल वर्ग, किशोर वर्ग मे भाग लिए। संस्कृति बोध परियोजना शिशु वर्ग के प्रश्न मंच में प्रथम स्थान चाईबासा द्वितीय स्थान जगन्नाथपुर तृतीय स्थान सरायकेला पर विद्यालय रहा। बाल वर्ग में प्रथम चाईबासा द्वितीय नोआमुंडी तृतीय बागबेड़ा एवं किशोर वर्ग में प्रथम चाईबासा द्वितीय बिरसानगर तृतीय बागबेड़ा विद्यालय रहा। शिशु वर्ग अंग्रेजी में प्रथम सरायकेला द्वितीय बागबेड़ा तृतीय घाटशिला बाल वर्ग में प्रथम बागबेड़ा द्वितीय सरायकेला तृतीय चाईबासा किशोर वर्ग में प्रथम बागबेड़ा द्वितीय सीनी तृतीय मुसाबनी विद्यालय रहे। संस्कृत विषय में शिशु वर्ग में प्रथम बिरसानगर द्वितीय चाईबासा तृतीय बागबेड़ा बाल वर्ग में प्रथम बिरसानगर, द्वितीय चाईबासा, तृतीय सरायकेला एवं किशोर वर्ग में प्रथम चाईबासा, द्वितीय बिरसानगर, तृतीय सरायकेला विद्यालय रहे। इन विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि युवराज सिंह विभाग प्रमुख तुलसी प्रसाद ठाकुर, विभाग संयोजक दिलीप गुप्ता विद्यालय संरक्षक मनोज लाकड़ा सचिव विजय शंकर उपाध्यक्ष रुपेश कठेरिया समिति सदस्य अजय प्रजापति प्रधानाचार्य सुरेश कुमार राय संयुक्त रूप से पुरस्कार प्रशस्ति पत्र व मेडल देकर भैया बहनों को सम्मानित किया। इस प्रतियोगिता में सात संकुल से 15 विद्यालय के भैया बहन शामिल हुए। वंदे मातरम द्वारा प्रतियोगिता का समापन हुआ। इसे सफल बनाने में प्रतिभागी विद्यालय के आचार्य, प्रधानाचार्य, प्रभारी प्रधानाचार्य एवं स्थानीय विद्यालय के भैया बहन आचार्य का विशेष योगदान रहा।

वेश की संपूर्णता व स्वच्छता से हमारे व्यक्तित्व में निखार आता है : मनोज

झुमरीतिलैया | कैलाश राय सरस्वती विद्या मंदिर में वर्ग सह वस्ता वेश प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में नर्सरी कक्षा में सृष्टि कुमारी प्रथम, सौरभ कुमार द्वितीय व निधि कुमारी तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं शिशु वर्ग में प्रथम अभिनंदन प्रकाश, द्वितीय आरुषि गुप्ता व तृतीय स्थान दिव्या कुमारी और बाल वर्ग में प्रथम निशिता कुमारी, द्वितीय आयुष कुमार व तृतीय अंकित कुमार और नेहा कुमारी ने प्राप्त किया। जबकि किशोर वर्ग में प्रथम मुस्कान सिंह, द्वितीय अभिजीत कुमार व शालू कुमारी तृतीय, अनामिका आनंद व कुणाल कुमार पांडेय और तरुण वर्ग में प्रथम अनन्या राज, द्वितीय उपासना, तृतीय सगुन श्रेयसी व आयुषी कुमारी रही। मौके पर प्रभारी प्रधानाचार्य मनोज कुमार सिंह ने वस्ता वेश प्रतियोगिता के महत्व पर प्रकाश डाला कहा कि वेश की संपूर्णता व स्वच्छता से हमारे व्यक्तित्व में निखार आता है। निर्णायक की भूमिका कुमारी रानी प्रसाद व नीरज कुमार सिंह ने निभाई। मौके पर आचार्य प्रदीप कुमार, रामानुज पांडेय, बिरेंद्र प्रसाद, दीपक विश्वकर्मा, संजय कुमार महतो, डॉ धीरेंद्र कुमार सिंह, चंद्रशेखर कुमार, उमा शंकर कुमार, पवन कुमार शर्मा, विजय कुमार मिश्रा, कुमार मुरलीधर, बीरेंद्र मिश्रा, सुनील कुमार, प्रणव प्रभास मौजूद थे।

विद्यालय के सभी शिक्षकों को तिरंगा प्रदान कर सम्मानित किया गया

धनबाद (भूली) 2 अगस्त को सरस्वती विद्या मंदिर भूली में आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत ए.आई.एस.ई.सी.टी यूनिवर्सिटी हजारीबाग एवम सी.आई.आई.टी.एम धनबाद द्वारा विद्यालय के सभी शिक्षकों को तिरंगा प्रदान किया गया। इसके साथ हीं विद्यालय के कक्षा दशम एवम द्वादश की बोर्ड परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले छात्र एवम विद्यालय के सभी शिक्षकों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ए.आई.एस.ई.सी.टी यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ मुनिष गोविंद, सी.आई.आई.टी.एम धनबाद के निदेशक प्रमोद कुमार झा, विद्यालय के प्राचार्य शिव बालक प्रसाद सिंह, ए.आई.एस.ई.सी.टी से डॉ राजी कान, ए.आर विजय कुमार, ए.आर माधवी मेहता, विनी प्रिस्का टोपनो, प्रियरंजन उपस्थित थे।

संरक्षकः रामअवतार नारसरिया, ख्यालीराम जी, अजय कुमार तिवारी । **परामर्शी :** अखिलेश कुमार।

संपादक : मनोज कुमार। **प्रकाशक :** विद्या विकास समिति, झारखंड, शुक्ला कॉलोनी, हिनू, राँची-834002

: 0651-3512271, 2251008 : vvs.jharkhand@yahoo.com, vvspv.jharkhand@yahoo.com : vvsjharkhand.org.in